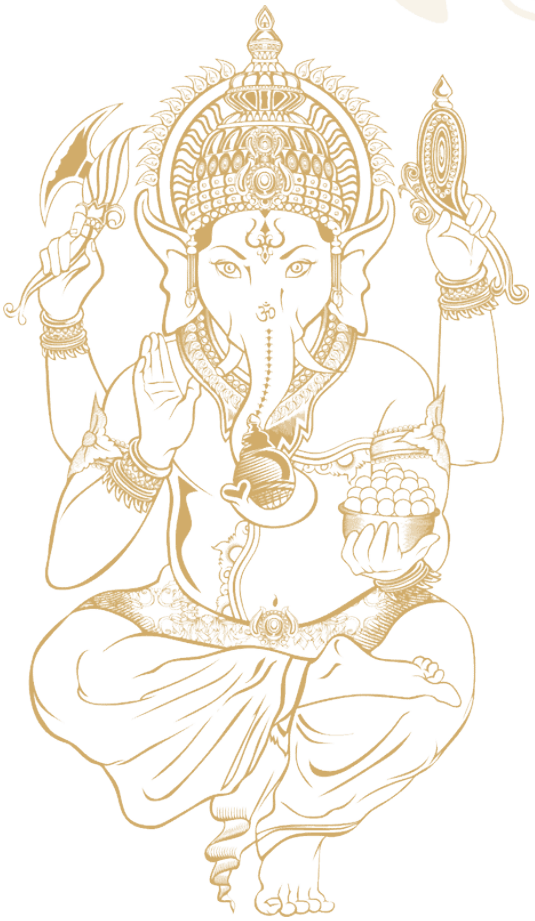

Mr.nikita

10 Feb 2004

11:27 AM

Saharanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119890306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/02/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:27:00 घंटे**
इष्ट	10:55:38 घटी
स्थान	**Saharanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:58:00 उत्तर
रेखांश	77:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:07:12 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	20:25:52 घंटे
सूर्योदय	07:04:44 घंटे
सूर्यास्त	18:03:40 घंटे
दिनमान	10:58:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:54:48 मकर
लग्न के अंश	25:32:27 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षटतिला
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	25:32:27	431:52:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मक	26:54:48	01:00:43	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	14:24:10	13:34:54	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मेष	10:25:56	00:38:14	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			मक	10:45:54	01:32:44	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		सिंह	22:52:06	00:06:24	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मीन	07:56:16	01:10:43	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	13:00:51	00:02:50	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	21:05:05	00:05:18	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	21:05:05	00:05:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:11:40	00:03:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	19:15:14	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:49:10	00:01:23	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मक	10:13:38	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:41

लग्न-चलित

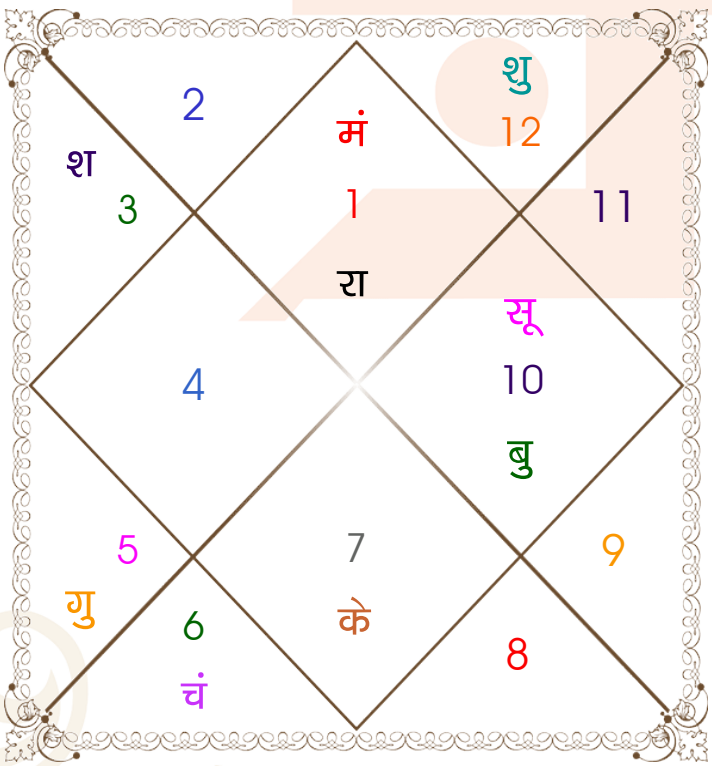

चन्द्र कुंडली

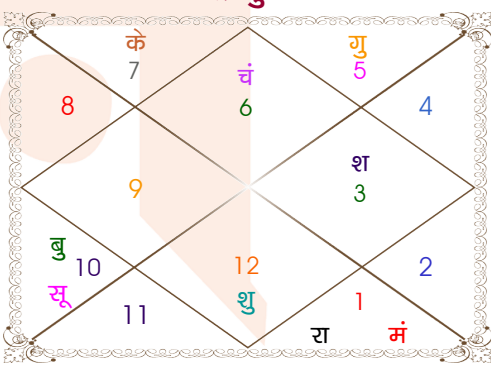

नवमांश कुंडली

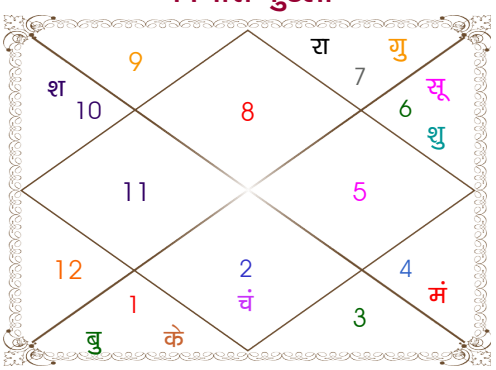

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 8 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/02/2004		22/10/2010		22/10/2017		23/10/2035		23/10/2051	
22/10/2010		22/10/2017		23/10/2035		23/10/2051		22/10/2070	
	00/00/0000	मंगल	21/03/2011	राहु	04/07/2020	गुरु	10/12/2037	शनि	25/10/2054
	00/00/0000	राहु	07/04/2012	गुरु	28/11/2022	शनि	22/06/2040	बुध	05/07/2057
	10/02/2004	गुरु	14/03/2013	शनि	04/10/2025	बुध	28/09/2042	केतु	13/08/2058
गुरु	21/01/2005	शनि	23/04/2014	बुध	22/04/2028	केतु	04/09/2043	शुक्र	13/10/2061
शनि	23/08/2006	बुध	20/04/2015	केतु	11/05/2029	शुक्र	05/05/2046	सूर्य	25/09/2062
बुध	22/01/2008	केतु	16/09/2015	शुक्र	11/05/2032	सूर्य	21/02/2047	चंद्र	25/04/2064
केतु	22/08/2008	शुक्र	15/11/2016	सूर्य	04/04/2033	चंद्र	22/06/2048	मंगल	04/06/2065
शुक्र	23/04/2010	सूर्य	23/03/2017	चंद्र	04/10/2034	मंगल	29/05/2049	राहु	10/04/2068
सूर्य	22/10/2010	चंद्र	22/10/2017	मंगल	23/10/2035	राहु	23/10/2051	गुरु	22/10/2070

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/10/2070		23/10/2087		22/10/2094		23/10/2114		23/10/2120	
23/10/2087		22/10/2094		23/10/2114		23/10/2120		00/00/0000	
बुध	20/03/2073	केतु	20/03/2088	शुक्र	21/02/2098	सूर्य	10/02/2115	चंद्र	23/08/2121
केतु	17/03/2074	शुक्र	20/05/2089	सूर्य	21/02/2099	चंद्र	12/08/2115	मंगल	24/03/2122
शुक्र	15/01/2077	सूर्य	25/09/2089	चंद्र	23/10/2100	मंगल	17/12/2115	राहु	23/09/2123
सूर्य	22/11/2077	चंद्र	26/04/2090	मंगल	23/12/2101	राहु	10/11/2116	गुरु	11/02/2124
चंद्र	23/04/2079	मंगल	22/09/2090	राहु	23/12/2104	गुरु	29/08/2117		00/00/0000
मंगल	19/04/2080	राहु	10/10/2091	गुरु	24/08/2107	शनि	11/08/2118		00/00/0000
राहु	07/11/2082	गुरु	15/09/2092	शनि	23/10/2110	बुध	18/06/2119		00/00/0000
गुरु	12/02/2085	शनि	25/10/2093	बुध	23/08/2113	केतु	24/10/2119		00/00/0000
शनि	23/10/2087	बुध	22/10/2094	केतु	23/10/2114	शुक्र	23/10/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 8 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में बृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सकी तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगी।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगी। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगी। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग की शिकार हो जाएंगी। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगी।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हैं। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगी। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगी।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़ी धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगी। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश का आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़ी कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगी तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहती हैं, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगी।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप

अपनी जन्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगी।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेती हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाती हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगी।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगी। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगी तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगी। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगी। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।